विषय सूची **पृ. संख्या**

1. **प्राचीन कथाओं में नागों की उत्पत्ति** **1 से 14**
महाभारत की कथा 1, नागों का आदि केन्द्र तक्षिला 4
ईरान में नाग पूजा व नाग जाति 6, नगा पूजा की उत्पत्ति पश्चिम एशिया में 8
नाग पूजा बेबीलौन में, सुमेर व सीरिया में 11, मिस्र में नाग पूजा 12
ग्रीस में नाग पूजा 12, सारांश 14

2. **भारत में नागपूजा और उसका प्रसार** **15 से 27**
कश्मीर 15, नारपुर का विनाश 15, हिमाचल प्रदेश 17, पूर्वोत्तर भारत व बिहार 18, तक्षिला 19
पंजाब(गुगापीर नाग) 19, कठियावाड़ (गुजरात) 20, महाराष्ट्र 21,
दक्षिण भारत 22, दक्षिण भारत में नागपंचमी का पावन पर्व 23
नाग जातियों का फैलाव 24, सारांश 27

3. **महापाषाण सभ्यता, उसकी उत्पत्ति व नाग जाति से संबंध** **28 से 49**
महापाषाण सभ्यता तथा उसका उदगम् 28, महापाषाणों की उत्पत्ति के विभिन्न विचार 28
भूमध्यसागर तटीय क्षेत्र का सिद्धांत 28,
पश्चिम एशिया के भारत के साथ व्यापारिक संबंध 30,
लोह तकनीक का एशिया माइनर में विकास 31,
भारत में महापाषाणों का फैलाव तथा काल 32, महापाषाण सभ्यता 33,
महापाषाणों के प्रकार 35, कैर्न समाधियां, डोल मेन, छत्र शिला 35
फन शिला, गुफा समाधियां, मेनहीर, अंत्येष्ठि भांड 36
भारत में महापाषाण सभ्यता के मुख्य केन्द्रों का विकास और फैलाव 36
विन्ध्य प्रदेश 37, काकोरिया, कोटिया 37, दक्षिण के महापाषाण केन्द्र 37
मस्की 38, ब्रह्मगिरि 38, गोलाकार पत्थर पेटिकाओं की समाधियां 39
चक्रांकित मृदभांड (आन्ध्र सभ्यता) 40, हल्लूर 40, अदिचानालून 41
महाराष्ट्र (विदर्भ) में महापाषाणों के केन्द्र 41, कौंडिन्यपुर 41, माहुरझरी 42
पवनी महास्तूप 42, अमरावती महास्तूप 43
एरण तथा मल्हार में महापाषाण काल से ऐतिहासिक काल तक सांस्कृतिक एकता 43
आर्थिक जीवन ; कृषि और उद्योग धंधो का विशाल जाल 45
महापाषाण प्रथा का बौद्ध स्तूप प्रथा में विकास; बौद्ध परम्परा 47
महापाषाण सभ्यता नागों की 48, सारांश 48

4. **पश्चिमी एशिया में नाग सभ्यता की उत्पत्ति तथा उसका सिंधु घाटी में आगमन** **50 से 75**
सुमेरियन तथा अकाद लोगों का सुमेर में आगमन 50
सेमाइट अथवा हाइक्सोस लोगों का मिस्र पर आक्रमण 51
हाक्सोस आक्रमण का काल तथा बल देवता 52
मातृदेवी की उपासना व मातृप्रधान परिवारों का उदगम् 54
सेमाइट लोगो में मातृप्रधान परिवार 55, प्राचीन मिस्र में मातृप्रधान परिवार व्यवस्था 56
प्राचीन क्रेट द्वीप में मातृप्रधान परिवार 58
राज्यों के राजश्व व सम्पति की वास्तविक स्वामिनी मातृदेवी 59
सिंधु घाटी में मातृदेवी की उपासना 59, आर्यों में पितृप्रधान परिवार 60
अनार्य नागों में मातृप्रधान उत्तराधिकार की परम्परा 61
इक्ष्वाकुओं के प्राचीन काशी-कौशल राज्य में मातृ-प्रधान परिवार परम्परा 62
सातवाहनों में मातृप्रधान परिवार परम्परा 63, श्रीपर्वत का इक्ष्वाकु राज परिवार मातृप्रधान 63
खासी नागों में मातृप्रधान सामाजिक प्रथा 64
मातृप्रधान परिवार प्रथा की उत्पत्ति तथा अंत के कारण 64

सुमेर में राजऋषि प्रथा तथा उसका विकास 65
राष्ट्रीय राज्य अथवा साम्राज्य (महा गणसंघ) 66
सिंधु घाटी में नगर राज्य और राजऋषि प्रथा 67,
सिंघु घाटी सभ्यता के बाद के काल में नगर-राज्य व राजऋषि प्रथा के प्रमाण 67
सुमेरियन सामाजिक व्यवस्था में तीन वर्ग 69, जनसाधारण सैनिक या सैनिक-राष्ट्र 69
राज्यों की जनसभायें 70, बौद्ध व जैनधर्म असुरों की उत्पत्ति 70
इक्ष्वाकु, द्रविड़ नाग जाति 71, इक्ष्वाकुओं की आधुनिक संतान 72
भारत व ईरान की प्राचीन सभ्यताओं की एकरूपता 73, सारांश 75

5. संघ व्यवस्था की उत्पत्ति एवं गणसंघ **76 से 122**

संघ शब्द की व्युत्पत्ति 76, जनजातीय उत्पत्ति 76
संघ व्यवस्था का पश्चिम एशिया से आगमन 77
सिंधु घाटी में शिल्प तथा व्यापारिक धंधो की स्थापना 78, परिवार का कुनबे में विकास 79
महासंघ 80, संघो के प्रकार 81, संस्कृत साहित्य में संघो के प्रकार 82
कुलिका अथवा राजा, गणसंघ महासंघ के सदस्य 83
गण प्रमुखों का चुनाव कैसे होता था ? 83, चारित्रिक विशेषतायें, सैनिक राष्ट्र 84
धनवान संघ, अनुशासन व न्यायप्रियता 85
जाति-पाति विहीन समाज एवं बराबरी का सिद्धांत 86, अनार्य समाज 87
राजऋषि प्रथा और नगर गणराज्य, मातृप्रधान परिवार 89
गण-पद्धति का आधारभूत नियम, राष्ट्री या गणभूमि का समान बटवारा 89
महत्वपूर्ण गणसंघों की उत्पत्ति और उनका इतिहास 91, पूर्व के गण संघ 91
पश्चिमोत्तर के गण संघ 92, तक्षक अथवा टका नाग (अंधक) 92, इतिहास 93
टकानागों की शाखायें और उनका फैलाव 95, टका सहारन 97
तक्षकों की आधुनिक संतान कहाँ 98
कपड़ो की बुनाई, रंगाई तकनीक का प्राचीन इतिहास 99
सिंधु घाटी में बुनकर तथा रंगरेजों के उद्योग धंधे 100
वस्त्रों की बढ़ती मांग से उक्त संघो के महत्व में वृद्धि 100, व्युत्पत्ति 102
टकसाली भाषा, टाकरी लिपि 104, अभिलेख 105,
टका सिक्कों का प्रचलन और उनका फैलाव 105, टाक क्षत्रियों के कुछ महत्वपूर्ण गोत्र 108
वैशाली के लिच्छिवि 110, कपिलवस्तु के शाक्य 113
शाक्यों में आवश्यक शिल्प व सैनिक शिक्षण का विधान 114
कुल प्रमुख में सर्वशक्ति निहित होने का नियम 115, मद्र अथवा मेघ 116
कम्बोज 117, क्षुद्रक तथा मालव 118, अम्वस्था, अग्रसेनी (वणिक नाग), पातालपुरी 119
सारांश 121

6. प्राकृत, महाराष्ट्री की जननी, पैशाची भाषा **123 से 136**

पश्चिमोत्तर भारत की दार्दिक अथवा पैशाची भाषायें 123
जार्ज ग्रियर्शन के विचारों का खंडन 124
संस्कृत भाषा मात्र आर्यों के धार्मिक कर्मकांड व साहित्य की भाषा 125
प्राकृत और पालि आदिवासियों की भाषा 125, उत्पत्ति, भाषाओं के दो वर्ग 126
पैशाची भाषा का प्राकृत-पालि में विकास तथा उनका द्रविड़ भाषाओं से संबंध 128
प्राकृत भाषा की विभिन्न शाखायें 128, वररुचि, साहित्य, मागधी प्राकृत 129
महाराष्ट्री प्राकृत व अन्य भाषायें 130, दक्षिण में प्राकृत का फैलाव व शिला लेख 131
पैशाची भाषाओं में ल्यावंत की युक्ति 132, सारांश 135

7. **नागजाति कौन ? उसकी नरवंशीय पहचान** **137 से 153**
बौद्ध-स्तूप महापाषाणों के सीधे उत्तराधिकारी 137
अमरावती तथा सांची के स्तूपों की कलाकृतियों की जांच 137
मानववंश शास्त्रीय प्रमाण 139
ब्रह्मगिरि तथा हड़प्पा के कब्रिस्तान H तथा G के अल्पाइन लोगों के अनुवांशिक संबंध 142
काले और लाल मृदभांडों का प्रयोग करने वाले हड़प्पाइयों के पश्चिमोत्तर से दक्षिण-पूर्व को पलायन की तिथियों की तालिका 144
महापाषाण सृजनकर्ताओं की नसल तथा जीवन काल 145
भारत में सिरोनाप व नासिका नाप 145
कुछ आर्य व द्रविड़ जातियों व जनजातियों के सिरोनाप व नासिका नाप 146
डिक्सन के अनुसार ताम्र व लोह युग में मध्य तथा पश्चिमी ऐशियाई देशों में विभिन्न जातियों की उपस्थिति 147
केपरस तथा सरकार के विचारों का खंडन 147
नरवंश का भौतिक प्रकार ; एक अर्थहीन विचार 149, क्या नाग जाति तूरान से आई ? 150
क्या सीथियन नागपूजक थे ? 151, सारांश 152

8. **काले और लाल मृदभांडों की सभ्यता ; उसका यादवों व नागों से संबंध 154 से 171**
आदिवासियों में टोटम या कुल देवता की प्रथा 154
नाग टोटम और नाग जाति, हड़प्पा सभ्यता और नागपूजा व टोटम 155
वेदों में नागों का वर्णन, अथर्ववेद 157
काले तथा लाल मृदभांडों की सभ्यता तथा उसका पश्चिमी एशिया से संबंध 158
सभ्यता का फैलाव 158
काले तथा लाल मृदभांडों की सभ्यता में विदेशी तत्व तथा लोहे की उपस्थिति 160
अहाड़ में काले और लाल मृदभांडों की सभ्यता तथा उसका पश्चिमी एशिया से संबंध 160
अल्पाइन जाति का मूल निवास स्थान, पश्चिमी एशिया 161
अल्पाइन जाति का पश्चिमी एशिया से पलायन 162
अल्पाइन जातियों की यादव रूप में पहचान 163
प्रभाषपटन की खुदाई, उसका यादवों तथा पौराणिक कथाओं से संबंध 164
आर्य और यादवों की शत्रुता; ऋग्वैदिक प्रमाण 165
नसलीय (मूल जाति) प्रकार व उसके प्रमाण, घोड़े का प्रमाण 166
यादव एक नाग जाति 168, चन्द्र वंश की वंशावली 169, सारांश 170

9. **वैदिक संस्कृति का ह्रास तथा नाग श्रमण संस्कृति का पुनुरुत्थान** **172 से 191**
प्राचीन भारत में विभिन्न मानव जातियों का फैलाव 172
आर्य-अनार्यों का दीर्घ कालीन संघर्ष 174
वैदिक संस्कृत का ह्रास, महाभारत युद्ध के महाविनाश से आर्य क्षत्रियों की शक्ति का क्षीण होना 176, नाग शक्ति की पुनर्स्थापना, श्रमण संस्कृति तथा सत्ता का उत्थान 177
नेमीनाथ तथा पार्श्वनाथ 178, बुद्ध व महावीर 179
नागों का तक्षिला से हस्तिनापुर की ओर पलायन 180
नागों का पुनुरुत्थान व हस्तिनापुर पर अधिकार 182
पंचाल पर जैन परम्परा के नागों का अधिकार 183, आदिवासी सभ्यता में राजऋषि प्रथा 184
काशी पर नागों का अधिकार 188, मगध में सत्ता परिवर्तन तथा नागों का अधिकार 189
सारांश 190

10. **आन्ध्र सातवाहन तथा दक्षिण भारत के अन्य नाग राजा** **192 से 219**
आन्ध्र अथवा सातवाहन, सातवाहन शब्द की व्युत्पत्ति 192, सातवाहनों का मूल निवास स्थान 195

मूल पुरुष सातवाहन 196, शासन शक्ति का उदय, आन्ध्र प्रदेश 197
बैल्लारी प्रदेश, वेनाकटक तथा विदर्भ 198, सातवाहनों का विदर्भ से संबंध, सिक्के 199
विदर्भ में किला 200, महाराष्ट्र का पश्चिमी क्षेत्र, पैठान, आन्ध्र घाटी 201
सातवाहन राजवंश और उसका कालक्रम 202
पुराणों के अनुसार आन्ध्र-सातवाहन राज वंशावली 203, क्या सातवाहन ब्राह्मण थे ? 204
आन्ध्र आदिवासी जनजाति, मातृप्रधान या मातृसत्तात्मक परिवार 205
नाग उत्पत्ति 206, सातवाहनों का सामाजिक व राजनैतिक संगठन 207
सातवाहनों के महारथी और महाभोज दो संगठक गण 208
राष्ट्रिक तथा पैत्तिनिक, सातवाहनों के दो प्रशासनिक पद 210, श्रीपार्वत के इक्ष्वाकु 210
दक्षिण के अन्य नाग राज परिवार, चोल, पल्लव 212, कदम्ब 213, रट्टनाग 214
चालुक्य तथा राष्ट्रकूट 215, नागवंश और कश्यप व मानव्य गोत्र 216
नागों में भूमाता व हारिती की उपासना 216, सारांश 218

11. उत्तर व मध्य भारत के नाग राजा 220 से 239

विदिशा के नाग, एरण विदिशा 220, नवनाग, नागों की शासन प्रणाली 221
भारशिवों का कांतिपुरी में उदय, प्रतिनिधि के रूप में शासन करने वाले नागवंश, पदमावती का भारशिव; नाग शासकों का महासंघ 222, पदमावती 223, बीरसेन 224
भवनाग, वाकाटक राजवंश, वाकाटक राज वंशावली 225
क्या वाकाटक ब्राह्मण थे ? 226, जयसवाल के विचारों का खंडन 227
सामाजिक धार्मिक परम्परायें 228, वाकाटक व नागों के सिक्कों की समानता 229
गुप्त राज परिवार की आदिवासी उत्पत्ति 232
भोज, यौधेय, कुनिंद तथा अर्जुनेया गणतंत्र गणसंघ 233
कश्मीर का गोनंदा परिवार तथा मेघवाहन 234, कश्मीर में कर्कोटक नाग वंश 235
दुर्लभवर्धन का जन्म 236, संक्षिप्त इतिहास, ललितादित्य 237
मध्येशिया का विजय अभियान, ललितादित्य की मृत्यु 238, सारांश 239

12. संघों पर आधारित उद्योग धंधे और नाग सभ्यता की उपलब्धियां 240 से 252

व्यापारिक श्रेणियां व निगम 240, दक्षिण-पश्चिमी भारत में विदेश व्यापार के प्रमाण 241
अमीर व्यापारी व बैंक का ब्याज दर, सार्थवाह 242, वणिक व्यापारी, अनार्य नाग जाति 243
बल या बाल देवता 244, राजा अग्रश्रेणी या अग्रसेनी तथा सिकंदर, अग्रोहा की खुदाई 245
वणिक नाग, सिक्कों का प्रारम्भ, देशी विदेशी व्यापार और समृद्धि 247, शहरीकरण 248
विदर्भ में बौद्ध धर्म के प्रभाव से समृद्धि ; चैत्यों स्तूपों का निर्माण 249
नाग सभ्यता की महान उपलब्धियां , सारांश (नागों की गणसंघ सभ्यता का गौरव) 251

13. महान नाग सभ्यता का अंत और उनके उत्तराधिकारी 253 से 268

अंत कैसे ? 253, नागों की संतान कहां गई 254, मनीपुर की नाग जनजातियां 255
खासी नाग 256, मेर अथवा महार 260, महार अथवा रट्ठ नागों का मराठाओं से संबंध 261
नवनाग, भारशिव, सातवाहन काल 261
मुसलिम काल में महारों के नाम के पीछे नाग पद 263
ब्रिटिश काल में महारों के नाम के पीछे नाग पद 263
सभी वर्गों के लोग नाग, टका सहारन तथा राजपूत नाग 264
नागों के आर्यकरण और शूद्रकरण की प्रक्रिया 265, हिरण्यगर्भ संस्कार 266
शिवाजी का राज्याभिषेक, भारशिवों की संतान, भारों का शूद्रकरण 267, जन साधारण 268
उपसंहार 269-272